# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -25 | अक्तूबर - I - 2023 | अंक - 13 | माउण्ट आबू | Rs.-12


रायपुर में ब्रह्माकुमारीज़ की वार्षिक परियोजना 'सकारात्मक परिवर्तन वर्ष' का राष्ट्रपति ने किया शुभारंभ... राज्यपाल, मुख्यमंत्री आदि विशिष्ट लोग हुए शामिल

# समस्त मानवता के कल्याण के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का कार्य सराहनीय : राष्ट्रपति मुर्मू

**रायपुर-छ.ग.।** ब्रह्माकुमारीज़ की वार्षिक परियोजना 'सकारात्मक परिवर्तन वर्ष' का शुभारंभ करते हुए महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि पूरी मानवता के कल्याण के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा अनेक कार्यक्रम किए जा रहे हैं। मनुष्य की सोच और व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ऐसे कार्यक्रम शुरू कर यह ज़रूरी है कि दिन का कुछ समय मोबाइल से दूर रहकर बिताएं। साइंस और टेक्नोलॉजी के साथ आध्यात्मिकता को भी जोड़ें तो जीवन आसान हो जाएगा। ज़िंदगी को कैसे सफलता से जीयें, किस तरह सुख से जीवन जीयें, इसका रास्ता बहुत सरल है। हम केवल एक शरीर नहीं हैं। हम एक आत्मा हैं। परम पिता परमात्मा के हम वंशज हैं। ब्रह्माकुमारीज़ ने जो काम आरंभ किया है मैं उसके लिए संस्थान को बधाई देती हूँ। स्वर्णिम युग का स्वप्न जो हम देख रहे हैं संस्थान बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। मैं इसके लिए संस्था को बधाई देती हूँ। राष्ट्रपति ने कहा कि आजकल बच्चे आर्टिफिशियल इंजीनियरिंग की बात कर रहे हैं लेकिन यह भी रास्ता दिखा सकें। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में शांति के लिए कार्य कर रहा है। यह संगठन दुनिया को बेहतर बनाने में अपना अमूल्य योगदान दे रहा है। छत्तीसगढ़ में इसलिए हमें कभी खुद को कमज़ोर नहीं समझना है। हम शक्तिशाली हैं, इसी दृढ़ विश्वास के साथ सकारात्मक कार्य करते रहिये। ऐसे लोगों के साथ रहिये जो आपको सही रामराज्य के लिए, तो हमें राम बनना होगा, सीता बनना होगा। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल विश्वभूषण हरिचन्दन और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शॉल और मोमेन्टो भेंटकर स्वागत किया गया। प्रारम्भ में नगर के बाल कलाकारों ने 'जश्न का महारास' नामक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। कार्यक्रम का कुशल संचालन क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने किया। इस अवसर पर कार्यकारी सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय भाई, ब्र.कु. सविता दीदी, ज्यूरिस्ट प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक ब्र.कु. नथमल भाई, शिक्षाविद प्रभाग की एडिशनल डायरेक्टर ब्र.कु. लीना बहन, ब्र.कु. आशा बहन,भिलाई, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारी और नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और इस कार्यक्रम के प्रति अपनी शुभकामनाएं दी।

## कठिनाइयों के दौर में इस संस्थान ने मुझे सही रास्ता दिखाया : द्रौपदी मुर्मू

यह युग विज्ञान का युग है। अभी के बच्चे बहुत शार्प माइंड के होते हैं, किन्तु उनमें थोड़ा धैर्य कम होता है। इस दिशा में अध्यात्म उनकी मदद कर सकता है। हमारे ब्रह्माकुमारीज़ परिवार के सदस्य बरसों से इस दिशा में काम कर रहे हैं। मेरी आध्यात्मिक यात्रा में भी ब्रह्माकुमारीज़ संस्था ने मेरा बहुत साथ दिया। जब मेरे जीवन में कठिनाई थी तब मैं उनके पास जाती थी। ब्रह्माकुमारीज़ का रास्ता मुझे बहुत अच्छा लगा। आप भी ये सीखकर सहजता से काम करते हुए अपनी ज़िंदगी को बेहतर तरीके से जी सकते हैं। यहां ज़िंदगी जीने की कला सिखाई जाती है।

नई दिल्ली। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को ईश्वरीय रक्षासूत्र बांधते हुए ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी। साथ हैं ब्रह्माकुमारीज़ के अति.महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई व अन्य।

नई दिल्ली। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् आध्यात्मिक ज्ञान चर्चा करते हुए ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, ब्रह्माकुमारीज़ के अति.महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई तथा ब्र.कु. हुसैन बहन।

## सकारात्मक सोच से किसी भी चुनौती का सामना करना संभव...राज्यपाल

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचन्दन ने कहा कि सकारात्मक सोच अपनाकर हम दुनिया की किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं। उन्होंने शुभकामना व्यक्त की कि सकारात्मक परिवर्तन का यह वर्ष सभी के जीवन में सुखद बदलावों का साक्षी बने, समाज खुशहाल रहे तथा हमारा देश हर तरह से समृद्ध हो। सकारात्मक परिवर्तन का मतलब ऐसे परिवर्तन से है जिसका लाभ व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र को हो। जब कोई समाज सकारात्मक बदलाव को अपनाता है तब वह और अधिक मज़बूत हो जाता है। बस हमें परिस्थितियों के अनुसार ढ़लना आना चाहिए। मैंने देखा है कि ब्रह्माकुमारीज़ में दूसरों को बदलने की बजाय स्वयं परिवर्तन पर ज़ोर दिया जाता है जो सराहनीय है। मुझे लगता है कि ये संस्था आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन के कार्य में सकारात्मक भूमिका निभा सकती है। यह संस्था नशा मुक्ति के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही है। बस्तर जैसे सुदूर इलाकों में आदिवासियों को दिव्य ज्ञान और राजयोग की शिक्षा देकर व्यसनमुक्त बनाने का कार्य सराहनीय है। जो यह सिद्ध करता है कि ध्यान, योग आदि की शिक्षा देकर अच्छे संस्कार पैदा किये जा सकते हैं।

## संस्थान का आध्यात्मिक मार्गदर्शन सदा ही मिलता रहा है...मुख्यमंत्री

माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि राष्ट्रपति जी का आगमन छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए बहुत ही गौरव का क्षण है। उनकी इस यात्रा के लिए छत्तीसगढ़ के तीन करोड़ नागरिकों की ओर से धन्यवाद है। पूरे देश की मुखिया के आगमन से छत्तीसगढ़ के लोग विशेष आत्मीयता का अनुभव कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है जैसे कोई अपना, अपने ही घर आया है। यह बड़ा ही शुभ अवसर है कि रक्षाबंधन के समय ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा सकारात्मक परिवर्तन वर्ष का शुभारंभ हो रहा है। सामाजिक और आध्यात्मिक परिवर्तन की दिशा में इस संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों में मैं यथासंभव भागीदार बनने के लिए प्रयत्नशील रहता हूँ। छत्तीसगढ़ प्रदेश की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के संचालन में ब्रह्माकुमारीज़ का आध्यात्मिक मार्गदर्शन हमें सदा ही मिलता रहा है।